भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

23.07.2015 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 321

कुडनकुलम परमाणु परियोजना के शुरु होने में विलम्ब

321. **डा. आर. लक्ष्मणन :**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या यह सच है कि कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना इकाई-2 के शुरु होने में अत्यधिक अर्थात् करीब आठ वर्षों का विलम्ब हुआ है, यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं; और**

(ख) **यदि हाँ, तो इस अत्यधिक विलम्ब के कारण परियोजना की लागत में होने वाली वृद्धि का ब्यौरा क्या है?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) **कुडनकुलम परियोजना के अंतर्गत दो साधारण जल रिएक्टर आते हैं, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 1000 मेगावाट है। इनमें से, कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना यूनिट-1 दिसम्बर, 2014 से ही वाणिज्यिक रूप से प्रचालन कर रहा है, तथा इसने 6876 मिलियन यूनिट का उत्पादन किया है, जिसमें से 2243 मिलियन यूनिट उत्पादन, वह उत्पादन है जो वाणिज्यिक प्रचालन प्रारंभ होने के पूर्व उस समय किया गया, जब यह यूनिट अक्तूबर, 2013 में दक्षिणी ग्रिड से जुड़ा था। कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना यूनिट-2 कमीशनिंग की प्रगत अवस्था में है, तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में इसे ग्रिड के साथ जोड़ दिए जाने की संभावना है।**

कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना यूनिट 1 तथा 2 (के.के.एन.पी.पी. 1 तथा 2) का कार्य मूलत: दिसम्बर, 2008 में पूरा किया जाना था, लेकिन उसमें विलम्ब मुख्यत:, रूसी परिसंघ से उपस्कर क्रमवार प्राप्त होने में देरी, तथा कार्यस्थल पर स्थानीय लोगों के विरोध के कारण हुआ। विरोध के कारण, उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय में मुकदमेबाज़ी, संयंत्र की कमीशनिंग से पहले विभिन्न एजेंसियों द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों को पूरा करने, तथा परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद द्वारा विभिन्न नियामक अनुमतियाँ प्राप्त करने में समय लगा।

(ख) **कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना यूनिट 1 तथा 2 (केकेएनपीपी - 1 तथा 2) की अनुमोदित लागत 13171 करोड़ रुपए थी, जिसे मई, 2013 में संशोधित करके 17270 करोड़ रुपए कर दिया गया। इसमें, मूल्य-वृद्धि के अलावा कुछ अतिरिक्त कार्य-क्षेत्र को शामिल करने के लिए परियोजना लागत में और आगे संशोधन किया जाना शामिल नहीं है।**

******